लगावे बाबा का दरबार गुरु मुरारी का चैला हरियाणवी भजन

लगावे बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

शनि मंगल ने चौकी लाव:,
शनि मंगल ने चौकी लाव:,
दुर दुर तं दुखिया आवं,
हो ना होवण दे लाचार,
गुरू मुरारी का चैला,
लगाव: बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

सुरजमल भक्त स निराला,
सुरजमल भक्त स निराला,
सब भक्तां का देखया भालया,
पुज: जिनते पवन कुमार,
गुरू मुरारी का चैला,
लगाव: बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

जिसकी सुरती बजरंगी में,
जिसकी सुरती बजरंगी में,
रहता ना वो कदे तंगी में,
पा गया हनुमान का प्यार,
गुरू मुरारी का चैला,
लगावे बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

कप्तान शर्मा देखया नजारा,
कप्तान शर्मा देखया नजारा,
बह खरक अमृत धारा,
गाव: कौशिक जी तो मल्हार,
गुरू मुरारी का चैला,
लगाव: बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लगाव : बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

गायक – नरेन्द्र कौशिक।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com